1

Jai Ram Singh
Deptt of Psychology
Mahila College Dalmianagar
Dehri

LEARNING

TRIAL AND ERROR Theory of LEARNING.

Thorndike ने 1898 में Animal Intelligence नामक पुस्तक को प्रकाशित की जिसमें उन्होंने जिस सिद्धांत का प्रतिपादन किया। जिसमें उन्होंने जिस सिद्धांत का प्रतिपादन किया उसे Trial & Error Theory के नाम से जाना जाता है जिसमें उन्होंने प्रयत्न एवं भूल के द्वारा सीखने की क्रिया की क्रमबद्ध व्याख्या की है।

इन्होंने अपने सिद्धांत में सीखने की व्याख्या करते हुए कहा है कि सीखने की क्रिया में उत्तेजना और प्रतिक्रिया के बीच साहचर्य स्थापित होता है इसी प्रकार के साहचर्य को उन्होंने S-R बंधन की संज्ञा दी है।

Thorndike का यह सिद्धांत बतलाता है कि प्राणी के सामने जब कोई समस्या आती है तो उसके समाधान के लिए प्राणी बार-बार प्रयत्न एवं भूल करता है और इसी प्रयत्न एवं भूल के क्रम में प्राणी को समस्या का समाधान प्राप्त हो जाता है जिससे प्राणी को संतुष्टि मिलती है फिर जब प्राणी के सामने इसी समस्या को

प्रस्तुत किया जाता है तो वह प्रयत्न एवं भूल के द्वारा समस्या का समाधान कर लेता है। जब बार-बार एक ही समस्या को प्राणी के सामने प्रस्तुत किया जाता है तो निरर्थक क्रियाओं में कमी आने लगती है और एक अवस्था ऐसा आता है कि प्राणी बिना भूल किये सही क्रिया करना सीख जाता है। Thorndike का यह सिद्धांत उनके द्वारा किये गये प्रयोगों पर आधारित है। जिसमें Puzzle Box प्रयोग काफी महत्वपूर्ण है। इस प्रयोग में Thorndike ने बिल्ली को अपना प्रयोज्य बनाया। बिल्ली को Puzzle Box में रखा गया। बिल्ली भूखी थी - बाहर में मछली रखा गया था। बॉक्स का दरवाजा एक बटन के दबने से खुलता था। बिल्ली के सामने बॉक्स को खोलकर बाहर निकलने की समस्या थी ताकि वह मछली खा कर अपनी भूख को संतुष्ट कर सके। प्रारम्भ में बॉक्स खोलने के लिए बिल्ली उछल कूद करने लगी और दिवाल को नोचने एवं काटने लगी जिसे Thorndike ने निरीक्षण किया करता है। इसी निरर्थक क्रिया के क्रम में अचानक बिल्ली का पंजा बटन पर पड़ गया जिससे दरवाजा खुल गया और बिल्ली मछली खाकर अपनी भूख मिटाई। इसी क्रिया को जब बिल्ली से

बार-बार दुहराया गया तो देखा गया कि उसके निरर्थक क्रियाओं में कमी आने लगी और एक अवस्था ऐसा आया की बिना कोई निरर्थक क्रिया किये बिल्ली बटन दबाकर पिंजड़ा खोलना सीख गया। अर्थात Thorndike ने अपने प्रयोग के आधार पर यह पाया कि सीखने में प्रयत्न एवं भूल हुआ और बिल्ली को सफलता अचानक मिला। अर्थात प्राणी में सीखने की क्रिया प्रयत्न एवं भूल के द्वारा होता है।

Thorndike ने अपने सिद्धांत के सम्बन्ध में तीन नियमों का प्रतिपादन किया है जो निम्न लिखित है

① तत्परता का नियम → Thorndike का यह नियम बतलाता है कि जिस क्रिया को करने के लिए प्राणी शारीरिक तथा मानसिक रूप से तत्पर रहता है तथा उस क्रिया को करने से उसे संतुष्टि मिलती है उस क्रिया को वह आसानी से सीख लेता है और जिस क्रिया को करने लिए वह तैयार नहीं रहता है उसे करने में उसे असंतुष्टि मिलती है और वह उसे सीख नहीं पाता है

② अभ्यास का नियम — अभ्यास का नियम

यह बतलाता है कि प्राणी जिस क्रिया का जितना ज्यादा अभ्यास करता है उतना ही अधिक और जल्द उस कार्य को करना सीख जाता है। किसी भी क्रिया को बार-बार अभ्यास करने से भूलो तथा ~~तथा~~ सीखने में लगे समय में कमी आती है और उस कार्य को करने की योग्यता में वृद्धि होती है।

③ <u>प्रभाव का नियम</u> → प्रभाव का नियम यह बतलाता है कि सभी क्रियाओं को करने से प्राणी की आवश्यकताओं की पूर्ती होती है जिससे उसे संतुष्टि मिलती है और प्राणी उन अनुक्रियाओं को अपना लेता है और गलत अनुक्रियाओं को वह छोड़ देता है अतः प्राणी जिन अनुक्रियाओं से ज्यादा प्रभावित होता है उसे वह जल्द ~~ही~~ करना सीख लेता है

अतः निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि प्राणी के सीखने की क्रिया प्रयत्न एवं भूल के द्वारा होती है। लेकिन कुछ मनोविज्ञानिकों ने Thorndike के इस सिद्धांत की कड़ी आलोचना की है लेकिन इसके बावजूद भी यह सिद्धांत सीखने के क्षेत्र ~~ही~~ में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है।